राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (फेज–2)

JICA द्वारा ऋण एवं राज्य सरकार की वित्तीय सहायता से संचालित

संवाद पत्र

अंक - 8 अक्टूबर से दिसम्बर 2017

जायका रिव्यू मिशन का भ्रमण

दो सदस्यीय जायका रिव्यु मिशन के अन्तर्गत श्री अनुराग सिन्हा (लीड डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट) एवं सुश्री युकारी ईनागाकी (प्रोग्राम स्पेशलिस्ट) ने माह दिसंबर में परियोजना क्षेत्रों का भ्रमण किया एवं परियोजना निदेशालय में परियोजना प्रगति की समीक्षा की।

मिशन सदस्यों ने मण्डल प्रबंधन इकाई डूंगरपुर के बलवानिआ एवं नयागांव वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों का दौरा कर वृक्षारोपण, जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान सदस्यों द्वारा वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों के सदस्यों एवं आजीविका संवर्धन के लिए गठित स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से मुलाकात कर परियोजना अंतर्गत समिति सदस्यों की भागीदारी एवं समूह सदस्यों द्वारा संचालित आय सृजन गतिविधि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के दौरान मिशन सदस्यों द्वारा उदयपुर में निर्मित सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क का दौरा कर पार्क में संचालित की जा रही गतिविधियों एवं क्रियान्वित की गई संरचनाओं तथा आगन्तुकों के संदर्भ में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। पार्क भ्रमण के पश्चात मुख्य वन संरक्षक कार्यालय में समीक्षा बैठक में परियोजना प्रगति पर चर्चा की।

तीन दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अंतिम दिन रिव्यु मिशन ने परियोजना निदेशालय में परियोजना निदेशक श्री आर के गोयल से मुलाकात कर अपने अनुभवों को साझा किया। अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ परियोजना के प्रत्येक घटक की प्रगति की समीक्षा की तथा अब तक की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया।

रिव्यू मिशन के सदस्यों ने परियोजनान्तर्गत निर्मित तीनों बायोलॉजिकल पार्क को परियोजना की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए जैव विविधता संरक्षण कार्यों के मुल्यांकन हेतु एक इम्पेक्ट स्टेडी कराने का सुझाव दिया। साथ ही विभाग एवं जायका के संबंधों को जापान ऑवरसीज कॉ– ऑपरेशन वॉल्टिंयर प्रोग्राम के माध्यम से और प्रगाढ़ करने का भी सुझाव दिया।

परियोजना निदेशक की कलम से ...

नया साल, नई ऊर्जा, नए संकल्प....

नव वर्ष की सकारात्मक शुरुआत के लिए यह जरूरी है की हम कुछ ऐसा नया करने का संकल्प लें जिससे यह वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में और अधिक सार्थक सिद्ध हो सके।

सभी परियोजना लक्ष्यों की लगभग शत प्रतिशत प्राप्ति उपरान्त, संपूर्ण ध्यान बचे हुए समय में परियोजना के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित है। प्रयास है कि शीघ्रातिशीघ्र सभी समूहों द्वारा चयनित आय सृजन गतिविधियों का परिचालन हो जाये।

बायोलॉजिकल पार्क इस परियोजना की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस वित्तीय वर्ष में राज्य में कोटा एवं अजमेर में दो नए बायोलॉजिकल पार्क के लिए भी परियोजना से बजट का आवंटन किया गया है। उम्मीद है कि ये दोनों पार्क भी वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यटन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेंगे और परियोजना के अन्य घटकों की उपलब्धियों के साथ प्रदेश के विकास में सहयोग करेंगे।

पुनः नववर्ष की शुभकामनायें।

– **आर.के. गोयल** (आई.एफ.एस)

परियोजना निदेशक

जायका–ओडीए तृतीय पक्ष मूल्यांकन सर्वेक्षण

माह नवम्बर के प्रथम सप्ताह में जापान–ओडीए तृतीय पक्ष मूल्यांकन सर्वेक्षण दल के सदस्यों ने परियोजना गतिविधियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण दल में श्री कोरू हयाशी (मूल्यांकन प्रमुख एवं प्रोफेसर, बुनक्यो यूनिवर्सिटी जापान), डॉ. री मैकिता (विशेष सलाहकार, प्रोफेसर, गाकुशुईन यूनिवर्सिटी जापान), डॉ. नोबुओ फुजीटा (टीम लीडर), सुश्री क्योको हरड़ा (उप निदेशक / शोधकर्ता) एवं श्री इइची हाराकी (प्रोग्राम ऑफिसर) आदि शामिल थे।

सर्वप्रथम निरीक्षण दल के सदस्यों द्वारा श्री ए. के. गोयल, पीसीसीएफ (HoFF) राजस्थान वन विभाग से मुलाकात कर भ्रमण के उद्श्यों से अवगत करवाया गया। बैठक दौरान श्री आर के गोयल, परियोजना निदेशक (आरएफबीपी –2) एवं श्री आर पी गुप्ता, संयुक्त परियोजना निदेशक (आरएफबीपी –2) भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान, सर्वेक्षण दल ने वनीकरण व वन आवरण, जेएफएम, आजीविका संवर्द्धन में महिला भागीदारी, तकनीकी सहयोग और जायका द्वारा भविष्य में सहायता आदि जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। दल ने वर्तमान एवं पूर्व में संचालित परियोजनाओं के प्रभावों और परिणामों पर

भी चर्चा की गई।

सर्वेक्षण दल द्वारा नाहरगढ़ जैविक पार्क, जयपुर का दौरा कर पार्क संचालनकर्ताओं के साथ बातचीत कर पार्क प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी, राजस्व और आजीविका संवर्द्धन गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की गई। दल ने भ्रमण के दौरान बड़ी संख्या में आगंतुकों की उपस्थिति को सराहा जिनमें स्कूल जाने वाले बच्चों की उपस्थिति को विशेष रूप से इंगित किया गया।

बायोलॉजिकल पार्क का दौरा करने के बाद, दल ने म.प्र.ई. जयपुर (उत्तर) में वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति स्वामी की ढाणी का दौरा किया तथा वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति तथा स्वंय सहायता समूह के सदस्यों से मुलाकात की। सर्वेक्षण दल द्वारा भ्रमण के दौरान वृक्षारोपण भी किया एवं रामदेव स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल की। इस दौरान स्वयं सहायता समूह सदस्यों द्वारा सर्वेक्षण दल को सूती कपड़े कताई और बुनाई की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया।

उत्तराखण्ड शैक्षणिक भ्रमण

परियोजना अन्तर्गत एक 31 सदस्यीय दल द्वारा माह नवम्बर में उत्तराखण्ड राज्य के वन क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। इस दल में राजस्थान वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्राम्य वन सुरक्षा एवं प्रबन्ध समिति के सदस्य शामिल थे। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य उत्तराखण्ड राज्य में संचालित वानिकी परियोजना के तहत करवाये गये कार्यो को देखना तथा वानिकी क्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की समझ बनाना था।

दल के सदस्य बस द्वारा उत्तराखण्ड के लिये रवाना हुए तथा काठगोदाम में रात्रि विश्राम पश्चात वन पंचायत जन्तुवाल के लिये रवाना हुए। यहां पर वन पंचायत के सदस्य एवं वन संरपंच श्री विपिन सिंह जन्तुवाल के साथ विभाग के द्वारा करवाये गये कार्यो को देखा। इस क्षेत्र में ई.आर.एम. द्वितीय के तहत 10 हैक्टेयर प्लानटेशन का भ्रमण किया गया। जिसमें 5000 पौधे स्थानीय प्रजाती के लगाये गये थे।

उपरोक्त वन क्षेत्रों के भ्रमण के बाद दल की स्थानीय एनजीओ लोक चेतना मंच के सदस्यों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। एनजीओ निदेशक श्री के.एन. धुमका के द्वारा सामाजिक विकास के कार्यों के बारे में विस्तार से बताया गया तथा दल के सदस्यों के साथ राजस्थान में किये जा रहे कार्यों पर आपस में चर्चा करके विचार साझा किये गये।

तत्पश्चात दल लडिया माता में विभाग के द्वारा बनाई गई हाईटेक नर्सरी के लिये रवाना हुआ। यहां पर वन पाल श्री दिनेश पंत के द्वारा बताया गया कि लडिया माता नर्सरी 2 हैक्टेयर में लगी हुई है और इसमें वन क्षेत्र नैनीताल में लगाये जाने वाले वृक्षारोपण के लिये पौधे तैयार हो रहे हैं। यहां की नर्सरी में तेज पत्ता, ऑवला, देवदार, रीठा, अंजीर, बेडू, कनोल, भमोर, तिमिला, धौल, गरूड, तिलोज, बॉज, पुतली, बुराशं, कोल, तुषारी, पदम आदि के पौधे तैयार हैं। नर्सरी में सिंचाई ग्रेविटि सिस्टम के द्वारा की जाती है।

अगले दिन सिविल एवं सोयम वन प्रभाग अल्मोडा के क्षेत्रिय वन अधिकारी के साथ दल बस के द्वारा रवाना हुआ तथा पंचासूली वन क्षेत्र में रोड साइड प्लांटेशन 2015 के क्षेत्र का दौरा किया। दल के सदस्यों को वन अधिकारी श्री मनोज सनवाल एवं वनपाल श्री मोहन चन्द्र भटट के द्वारा ई.आर. एम. प्रथम द्वितीय एवं तृतीय के द्वारा लगाये गये वन क्षेत्र बाराकुना का भ्रमण करवाते हुये जानकारी प्रदान की। साथ ही वहां के वन अपराधों की रोकथाम के बारे में भी बताया। वन अधिकारी श्री मनोज सनवाल ने बताया की हमारे वन क्षेत्र में कई प्रकार की जड़ी बूटियां भी पाई जाती है जो कि कई प्रकार के रोगों के उपचार के काम आती है।

बगरतोला वन पंचायत के क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद सदस्यों ने वन अधिकारी श्री मनोज सनवाल एवं वनपाल श्री मोहन चन्द्र भटट के मुख्यमंत्री जड़ी बूटी विकास योजना के तहत जोगेश्वर हरबल गार्डन अल्मोडा को देखा। जहां पर विभाग के द्वारा लगाये गये जडी बूटी के पौधों की जानकारी प्राप्त की एवं उनके उपयोग के बारे मे सीखने का प्रयास किया।

इस भ्रमण की समाप्ति पर दल के सदस्यों ने वन विभाग के प्रति आभार प्रकट किया तथा वहां किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को अपने यहां भी दोहराने का प्रयास करने का संकल्प लिया।

मासिक समीक्षा बैठकों का आयोजन

स्वयं सहायता समूह गठन एवं आजीविका संवर्धन गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध मूल्यांकन के उद्देश्य से प्रत्येक मण्डल प्रबंधन इकाई स्तर पर संयुक्त परियोजना निदेशक (प्रशासन) के नेतृत्व में मण्डल प्रबंधन इकाई वार सम्पादित एवं लक्षित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा हेतु बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

इन बैठकों में संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयं सेवी संस्था के कार्मिकों में समन्वय स्थापित करने, परियोजना के लक्ष्यों से सभी को रूबरू करवाने तथा समयबद्ध पूर्ण गुणवत्ता के साथ गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु उप वन संरक्षक, सहायक वन संरक्षक, उप परियोजना अधिकारीगण, वन सुरक्षा समितियों के सदस्य सचिव एवं स्वयं सेवी संस्था के कार्मिकों को सम्मिलित किया जा रहा है। वर्तमान में इस प्रायोजन हेतु मण्डल प्रबन्धन इकाई चूरू, नागौर, जयपुर (दक्षिण), छत्तरगढ़, इ.गा.न.प.। बीकानेर, डी.डी.पी. बीकानेर, वन्यजीव चित्तौड़गढ, भीलवाड़ा एवं जयपुर (उत्तर) बैठकों का आयोजन किया जा चुका है।

Financial Progress for the period October 2017 to December 2017

Rs. In Lacs.

S.No.	Package / Budget Head	Expenditure upto FY 2016-17	FY 2017-18						Cummulative Expenditure
			BE	RE	Exp. April'17 to June'17	Exp. July'17 to Sept.'17	Exp. Oct.'17 to Dec.'17	Total Expenditure 2017-18	
1	Afforestation	47558.60	6260.95	6260.95	215.00	1958.08	1526.54	3699.62	51258.22
2	Agro Forestry Activities	40.74	54.74	54.74	0.00	2.29	2.52	4.81	45.55
3	Water Conservation Structures	4762.64	852.89	1300.00	0.00	5.48	94.88	100.36	4863.00
4	Biodiversity Conservation	10227.17	600.02	550.00	50.81	112.20	129.98	292.99	10520.16
5	Poverty Alleviation and Livelihood Improvement	450.26	458.50	410.50	2.50	0.54	14.94	17.98	468.24
6	Capacity Building, Training & Research	232.23	253.18	116.66	0.47	0.00	1.49	1.96	234.19
7	Community Mobilisation	4836.59	547.97	482.40	7.90	2.13	8.23	18.26	4854.85
8	Project Management	1831.84	345.70	298.70	17.40	31.64	31.98	81.02	1912.86
9	Monitoring & Evaluation	161.76	86.00	86.00	0.15	2.67	0.13	2.95	164.71
10	Contractual Personnel for PMU	988.55	190.05	190.05	23.09	60.39	78.75	162.23	1150.78
	Total	**71090.38**	**9650.00**	**9750.00**	**317.33**	**2175.42**	**1889.43**	**4382.18**	**75472.56**
11	Administrative Cost	578.28	150.00	150.00	26.91	25.55	40.37	92.83	671.11
12	VAT & Import Tax	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00			
	Total	**578.28**	**150.00**	**150.00**	**26.91**	**25.55**	**40.37**	**92.83**	**671.11**
	Grand Total	**71668.66**	**9800.00**	**9900.00**	**344.24**	**2200.97**	**1929.80**	**4475.01**	**76143.67**

संपादक मण्डल:

संरक्षक — **आर.के. गोयल**, परियोजना निदेशक

संपादक — **आर.पी. गुप्ता**, संयुक्त परियोजना निदेशक

सहायक संपादक — **जी. के. वर्मा**, उप परियोजना निदेशक

संयोजन — **संयोग मिश्र**

साज-सज्जा — **गिरधारी लाल चौधरी**

प्रकाशक : राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (फेज–2), अरावली भवन, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राज.) 302004, फोन : 0141–5199660